# कहानी एक रात की

*प्रेषक : राहुल रायचन्द*

मैं राहुल पहली बार अपने साथ हुई एक सच्ची घटना आपके सामने रखना चाहता हूँ !

बात आज से करीब दो साल पहले की है, मैं अपने चाचा के यहाँ पर पढ़ाई करने के लिए गया हुआ था ! तब मैं सेक्स के बारे में ज्यादा नहीं जानता था। मुझे यह तो पता था कि सेक्स करते हैं पर कैसे करते हैं, मैं नहीं जानता था !

मेरे चाची की एक भतीजी थी जो देखने में बहुत ही सुंदर थी। वो इतनी सुंदर थी कि मानो कोई परी हो ! मैं जब भी उसे देखता तो सोचता कि काश यह मेरी गर्ल-फ्रेंड होती तो कितना अच्छा होता ! देखते ही देखते वो और बड़ी हो गई और मैं भी बड़ा हो गया और अब मैं सब समझने लग गया था क्योंकि मेरी उम्र 21 साल की हो गई थी और वो मुझसे बड़ी थी इसलिए उसकी उम्र 23 साल हो गई थी। समय के साथ-साथ उसका फीगर और भी ज्यादा सेक्सी हो गया था, उसकी चूची इतनी बड़ी हो गई थी कि जैसे दो मोसम्बी हों रस से भरी हुई ! और उसकी गांड तो इतनी सुन्दर लग रही थी कि जो भी देखे बस यही सोचने लगे कि बस एक बार इसे मसल दूँ ! उसे देखकर कोई भी उसे मन में ही चोद दे इतनी सुन्दर थी वो !

समय बीत ता चला गया। फ़िर एक बार हुआ यूँ कि हमारे घर पर एक कार्यक्रम था जिसमें सभी को बुलाया था, सो वह भी आई थी। उसे देखकर मैं तो जैसे ख़ुशी के मारे पागल ही हो गया था। मैंने बिना कुछ सोचे समझे बस उसका हाथ पकड़ा और उसे अपने कमरे में ले गया ! हम दोनों बचपन से ही खूब बाते करते थे इसलिए किसी ने कुछ नहीं कहा ! फ़िर मैंने उससे उसके हाल चाल पूछे और इधर की ढेर सारी बात करी लेकिन मेरे मन में तो कुछ और ही चल रहा था सो मैंने उससे पूछ लिया कि इतनी बड़ी हो गई हो, कोई दोस्त बनाया या नहीं?

तो उसने नहीं में जवाब दिया। मुझे यह सुनकर और भी ख़ुशी हुई और मैंने उसे एक आँख मार दी तो उसने कहा- तेरा इरादा कुछ ठीक नहीं लग रहा है ?

फिर मैंने उसे कहा- मैं तुझे बहुत चाहता हूँ और बहुत पसंद करता हूँ। लेकिन तुझे मैं कैसा लगता हूँ? क्या तू मुझे पसंद करती है?

तो उसने कुछ जवाब नहीं दिया और बस मेरी तरफ आँख मार के चली गई ! फ़िर मैंने उससे थोड़ी देर बाद यही पूछा तो कहने लगी- तू यह सब क्यों पूछ रहा है? तू मुझे अच्छा लगता है और इसीलिये ही मैं तुझसे बात करती हूँ।

तो फिर मैंने उसे "आई लव यू" कह दिया और उसके गाल पर एक चुम्मा जड़ दिया। जवाब में उसने भी चुम्मा दे दिया। फ़िर हम दोनों कमरे से बाहर आ गए और वो अन्य लोगों से बातें करने लग गई और मैं घर के काम में लग गया।

फ़िर जब शाम हुई तो मैंने उसको अपने कमरे में आने का इशारा किया। जब वो कमरे में आई तो मैंने उसे जोर से पकड़ लिया और उसके होठों पर अपने होंठ रख दिये और उसके होठों का रस पीने लगा।

क्या होंठ थे ! उसके एकदम शहद से भरे !

मैंने उसके अधर इतनी जोर से चूसे कि वो गुलाबी से लाल हो गए।

और फ़िर वो भाग गई बाहर !

उसके बाद अगले दिन वो जब भी मुझे देखती अपने होठों को काटने लगती। फ़िर शाम हो गई और घर पर कार्यक्रम चालू हो गया। सभी लोग बाहर थे, मैं भी बाहर था लेकिन घर का सारा काम मुझे ही करना था इसलिए मैं घर के अंदर गया और उसे भी इशारा कर दिया। फ़िर हम दोनों घर में अकेले ही रह गए और हमने खूब चूमा-चाटी की। फ़िर मैंने अपना एक हाथ उसकी चूची पर रख दिया, जिससे वो सिहर गई और मेरा हाथ हटाने लगी। तब मैंने उसका हाथ पकड़ लिया और उसकी दूसरी चूची पर भी हाथ रख दिया।

Copyright © Indian Porn Empire - 2010. All Rights Reserved.

वो उत्तेजित हो गई और अपने होठों को काटने लगी और मुझसे कहने लगी- मैं पागल हो जाऊँगी, मुझसे अब रहा नहीं जाता ! तू मुझे बस मसल दे यार ! ऐसे से ही करता रह !

मैं भी उसकी चूचियों को मसल रहा था प्यार से !

फ़िर मैंने देखा कि वो अब गरम हो गई है तो मैंने उसकी कमीज को ऊपर करके अंदर से हाथ डाल दिया और उसके स्तन मसलने लगा। फ़िर मैंने उसके होठों से अपने मुँह को हटाया और उसकी चूची पर लगा दिया और जोर से चूसने लगा।

इतने में मेरी चाची भी घर में आ गई और हम दोनों अलग हो गए। मैं कुछ सामान लेने का नाटक करने लगा और हम दोनों बाहर आ गए।

जब रात हुई तो मैंने उसे कहा कि वो मेरे कमरे में ही सो जाये तो इस पर वो नहीं मानी और मैं रात भर सो नहीं सका और उसके ही बारे में सोचता रहा, सुबह होने का इंतजार करने लगा।

जब वो सुबह दिखी तो मैं तो उसे देखता ही रह गया, उसने काले रंग का सूट पहना था और उसमें वो एक दम माल लग रही थी। उसने मुझे देखा और एक आंख मार के चली गई रसोई में। मैंने उसे अपने पास आने का इशारा किया और वो जल्दी से आ गई। उसके आते ही मैंने उसे अपनी बाहों में जकड़ लिया और उसे बेतहाशा चूमने लगा। फ़िर वो वापस चली गई और जब हम दोपहर को मिले तब मैंने फ़िर से उसके स्तन दबाये और खूब मसला, चूसा और उसके चुचूकों को सुर्ख लाल कर दिया। वो भी सेक्सी आवाज़ें निकालने लगी- आहह ह ह ह उ उ उह उह हा हा हाहा जोर से और और पीलो.....बस स स छोड़ दो ओ.ओ. जाने दो.. फ़िर मैंने उसे छोड़ दिया और रात को मिलने की योजना बनाई और जब रात हुई तो वो अपनी नाइटी पहन कर रात के करीब दो बजे मेरे कमरे में आई, मुझे जगाया। मैंने अपने कमरे के दरवाजे को अटका दिया और उसे अपनी बाहों के आगोश में ले लिया वो भी बिना कुछ बोले मुझसे लिपट गई और मुझे चूमने लगी। थोड़ी देर रुक कर वो रोने लगी और कहने लगी- अब हम नहीं मिल सकेंगे क्योंकि मैं कल जा रही हूँ अपने घर ! और कहने लगी कि आज की रात ही है हमारे पास ! बस जो भी करना है कर लो जी भर कर !

तो मैंने भी उसे कहा- जानू, ऐसा मत कहो ! तुम तो हमेशा मेरे साथ ही रहोगी मेरे दिल में बसकर !

और वो फ़िर से हंसने लगी और मुझसे लिपट गई, मुझे चूमने लगी और कहने लगी- ओह मेरे राहुल ! मैं तुम्हें कभी भुला नहीं पाऊँगी, मैं जब तक जीयूँगी तुम्हारी ही रहूंगी ! मेरे तन-मन-धन पर अब सिर्फ तुम्हारा ही अधिकार होगा ! मैं किसी और की नहीं हो सकती हूँ !

और फ़िर से उसकी आँखों से मोती बहने लगे। मैंने भी उन मोतियों को अपनी जबान से पी लिया और हम फ़िर चूमा-चाटी करने लग गए। उसने मेरी जबान को पूरा चूस लिया और मैंने भी ! फ़िर मैं उसकी चूचियों को दबाने लगा वो सीहरने और कराहने लगी- मसल दो आज इन्हें ! चूस लो ! सारा रस निकाल दो इनका !

और मैंने अपना हाथ धीरे धीरे नीचे सरकाना चालू किया। मैंने उसकी नाभि पर जैसे ही अपनी जबान लगाई, वो सिमटने लगी और उसकी साँसें चढ़ने लगी। वो जोर जोर से साँस लेने लगी, वो इतनी गरम हो गई थी कि अपना हाथ खुद ही योनि पर फेरने लगी।

मैंने भी अब देर न करते हुए उसकी कुर्ती को ऊपर उठाया और अब उसे पूरा ही निकाल दिया। फिर मैंने उसकी सलवार का नाड़ा खोला और उसकी सलवार को उतारने लगा। लेकिन जैसे ही सलवार उतारने लगा, मुझे कुछ आवाज़ सुनाई दी। मैंने बाहर देखा तो मेरे चाचा बाथरूम करने के लिए उठे थे।

इतने में जानू भी डर गई और जल्दी से अपने कपड़े पहनने लगी। फिर जब चाचा चले गए तो मैंने वापस उसके कपड़े निकाले और उसके ऊपर लेट कर उसे चूमने लगा। वो थोड़ा नार्मल हुई और हम फिर हमारे काम में जुट गए। मैंने उसकी पैंटी जो गुलाबी रंग की थी, वो उसके ऊपर इतनी अच्छी लग रही थी कि क्या बताऊँ ! उसको जैसे ही मैंने उतारा, मेरे सामने जन्नत का द्वार खुल गया था। क्या चूत थी उसकी ! एकदम गुलाबी ! जैसे गुलाब की पंखुड़ियों को शहद के रस में भिगोया हो !वो इतनी गरम हो चुकी थी कि उसकी योनि से रस टपक रहा था और जांघे गीली हो गई थी। मैंने भी जबान से उस अमृत को पूरा चाट कर साफ़ कर दिया। वो इतने में ही पहली बार स्खलित हो गई। मैंने उसके योनि-अमृत को पूरा पी लिया फिर उसकी योनि के अंदर एक ऊँगली धीरे धीरे घुमाना चालू किया। वो आवाजें निकालने लगी तो मैंने उसके होठों पर अपने होंठ रख दिए। उसने मेरे होठों को काट लिया।

फिर मैंने उसे अपना लोअर उतारने को कहा तो वो शरमाने लगी। मैंने भी उसका हाथ पकड़ा और उसी के हाथों

Copyright © Indian Porn Empire - 2010. All Rights Reserved.

से अपना लोअर निकलवाया। फिर उससे ही चड्डी भी उतरवाई और उसने जैसे ही मेरे लण्ड को छुआ मेरे तो जैसे रोंगटे ही खड़े हो गए। मेरे पूरे जिस्म में एक आग लग गई और मैं उसे बेतहाशा चूमने लगा। फिर मैंने उसके योनि-द्वार को चूसकर थोड़ा नरम किया और फिर उस पर अपने लण्ड का शीर्ष-भाग रखा और जोर लगाने लगा। लेकिन जानू की चूत इतनी टाइट थी कि उसमें घुसने की बजाए लण्ड फिसल जाता।

फिर मैंने थोड़ा तेल लिया और उसकी योनि में लगाने लगा। वो भी आहें भरने लगी। फिर मैंने एक बार और कोशिश की तो इस बार तेल के कारण मेरे लण्ड जो छः इंच का है, करीब दो इंच तक अंदर चला गया और उसकी चीख निकल गई। लेकिन किसी के सुन लेने के डर से उसने अपनी चीख को दबा लिया। मैंने अपने लण्ड पर कुछ तरल पदार्थ महसूस किया, हाथ लगाकर देखा तो वो खून था जो उसकी योनि से निकल रहा था। मैंने उसकी तरफ देखा तो उसकी आँखों से आंसू निकल रहे थे। मैंने फिर उसे चोदना रोककर उसके स्तन सहलाए और उसे चूमने लगा। वो जब थोड़ी नार्मल हुई तब मैंने फिर से एक झटका लगाया और करीब चार इन्च तक लण्ड अन्दर चला गया। वो फिर से चीख पड़ी। मैंने भी थोड़ा रुक कर फिर एक धक्का लगाया और पूरा लण्ड पेल दिया उसकी चूत में !

अब वो थोड़ा नार्मल हो चुकी थी और फिर मैंने धक्के तेज करना चालू कर दिया जिससे उसके मुँह से चीखें निकलने लगी और वो आवाजें करनेलगी- आ.. अ.सी.. आ .सी..स. सी.. हा.. हा. ह . ह . ह . नि.. नी.. अह..आह ...आह..

मुझे भी मज़ा आने लगा और हम दोनों चरम सीमा पर पहुँचने लगे। वो अब तक एक बार झड़ चुकी थी और अब फिर स्खलित होने वाली थी। वो कहने लगी- मैं जाने वाली हूँ !

मैंने भी कहा- मैं भी जाने वाला हूँ !

और हम दोनों ही एक साथ झड़ गए और मैंने अपना सारा रस उसकी चूत की गहराइयों में डाल दिया। हम दोनों का रस उसकी चूत से निकलने लगा, मैंने उसे साफ किया और उससे कहा- क्या एक बार और हो जाए?

तो उसने भी शरमाते हुए हामी भरी और हमने एक बार फिर चुदाई की। इस बार उसे पहले ज्यादा मज़ा आया और करीब आधे घंटे की चुदाई के बाद हम फिर से झड़ गए। इतने में सुबह के पाँच बज गए और अगली सुबह वो उसके घर वालों के साथ उसके घर रतलाम चली गई। मैं उसकी प्यास में तड़पता रह गया। लेकिन हम दोनों फ़ोन पर खूब बातें करते और मज़ा लेते।

छः महीनों के बाद उसने कहा कि उसके घरवालों ने उसकी शादी कहीं राजस्थान में तय कर दी है, कुछ ही दिनों में उसकी शादी होने वाली है। और वो जोर जोर से रोने लगी, कहने लगी- राहुल मैं तुम्हारे अलावा और किसी की नहीं हो सकती हूँ, मेरे शरीर और आत्मा पर सिर्फ तुम्हारा ही अधिकार है।

उसकी इस बात से मेरी भी पलकें नम हो गई और फिर खबर आई कि उसकी शादी होने वाली है, उसमें मुझे भी जाना है।

फिर देखते ही देखते उसकी शादी हो गई और आज उसकी शादी को तीन साल हो गए हैं लेकिन मैंने कभी उसके बारे में तलाश नहीं की और मैं एक बार फिर प्यासा ही अपनी जिंदगी बिता रहा हूँ!

दोस्तो, कैसी लगी मेरी यह सच्ची कहानी?

मुझे मेल करके जरुर बताना !

मेरी अगली कहानी में आपको बताऊंगा कि कैसे मैंने मेरी दूसरी गर्ल फ्रेंड सोनू को कैसे चोदा !

chillout_cool20@yahoo.co.in २० मार्च, २०१०

वृक्ष लगाएँ : पृथ्वी बचाएँ !

असुरक्षित यौन-सम्बंध से ऐड्स हो सकता है !

Copyright © Indian Porn Empire - 2010. All Rights Reserved.